हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 24 मई 2026

फुल ऑन मस्ती

तापमान

अधिकतम 44.1 डिग्री
न्यूनतम 24.6 डिग्री

शहर में आज

- जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता एसआरएस में सुबह 10 बजे
- गोयल क्रिकेट और एबीसी टीम का मैच सुबह 8 बजे
- शिवाजी कॉलोनी में श्रीमद् भागवत कथा

गर्मियों की छुट्टियां शुरू अब सैर-सपाटे की तैयारी

भीषण गर्मी के बीच 25 मई से शुरू हो रही गर्मियों की छुट्टियों ने स्कूली बच्चों के चेहरों पर खुशी ला दी है। करीब सवा महीने तक चलने वाले इस अवकाश में बच्चे सिर्फ आराम नहीं, बल्कि घूमने, नई चीजें सीखने और खुद को बेहतर बनाने की तैयारी में जुट गए हैं।

पैकेज पेज-11 पर पढ़ें

कैसे स्टार्ट होगा तीसरा इंजन

बिना एजेंटों के नहीं हो पा रहे लोगों के काम

सालों से जमे कर्मियों ने निगम में पैदा की जड़ता

- लगाने पड़ते हैं कई चक्कर, पुराने राजनीतिक संबंध भी बने बाधा
- निगम में 2012 के बाद से नहीं हुआ सैकड़ों कर्मियों का तबादला 200 से ज्यादा ठेके पर किए थे भर्ती

हरिभूमि विशेष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

नगर निगम में वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मचारियों के कारण व्यवस्था में जड़ता बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निगम के कई विभागों में अधिकारी व कर्मचारियों का लंबे समय से तबादला नहीं होने के कारण कामकाज की पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। आम नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी चक्कर काटने पड़ रहे हैं। खासकर प्रॉपर्टी आईडी में सुधार, भवन नक्शा पास करवाने, हाउस टैक्स रिकॉर्ड दुरुस्त कराने और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं में लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, नगर निगम में वर्ष 2012 के बाद से सैकड़ों कर्मचारियों के तबादले नहीं हुए हैं। कई कर्मचारी एक ही शाखा में वर्षों से तैनात हैं। जिनमें कुछ अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए हैं। कई कर्मचारियों को अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। इससे विभागों में व्यक्तिगत पकड़ मजबूत हो गई है और पुराने राजनीतिक संबंधों का प्रभाव भी कार्यप्रणाली पर दिखाई देने लगा है। स्थानीय नागरिकों और कई पार्षदों का कहना है कि लंबे समय से एक ही सीट पर बैठे कर्मचारी अब आम लोगों की बजाय अपने संपर्कों और सिफारिशों को प्राथमिकता देने लगे हैं। सूत्रों ने बताया कि वर्ष 2012 में नगर निगम द्वारा दो सौ कर्मचारियों की कांट्रेक्ट आधार पर भर्ती की गई थी। इनमें से कई कर्मचारी आज भी उसी व्यवस्था में कार्यरत हैं। आरोप है कि कुछ कांट्रेक्ट कर्मचारी ठेकेदारों और बाहरी एजेंटों के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे बिना सिफारिश के फाइलें आगे नहीं बढ़तीं। लोगों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति सीधे कार्यालय पहुंचकर अपना कार्य करवाना चाहता है तो उसे कई दिनों तक चक्कर लगाने पड़ते हैं, जबकि एजेंटों को पैसे देकर काम जल्दी हो जाता है। शहर के कई नागरिकों ने बताया कि प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए उन्हें महीनों तक निगम कार्यालय के चक्कर काटने पड़े।

दस्तावेज पूरे होने पर भी लंबित रहती हैं फाइलें

कई मामलों में दस्तावेज पूरे होने के बावजूद फाइलें लंबित रखी गईं। भवन नक्शा पास करवाने वाले लोगों का भी कहना है कि प्रक्रिया अत्यधिक धीमी हो चुकी है और संबंधित शाखाओं में बैठे कर्मचारी स्पष्ट जवाब नहीं देते। इससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। फाइलों में लगातार एक के बाद एक कमिया निकाल कर उन्हें लम्बित रखा जाता है ताकि व्यक्ति मजबूर होकर एजेंट की शरण में पहुंच जाए।लोगों का कहना है कि जायज काम भी नहीं हो पा रहे हैं। नाम न छापने की शर्त पर पार्षदों का कहना है कि यदि समय-समय पर अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले होते रहें तो विभागीय जवाबदेही बनी रहती है। लंबे समय तक एक ही स्थान पर तैनाती से पक्षपात की आशंका बढ़ जाती है। निगम प्रशासन को इस दिशा में गंभीरता से कदम उठाने की जरूरत है ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

इतने कर्मचारी कर रहे कार्य

निगम सूत्रों की माने तो निगम में करीब एक हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। जिनमें 186 कांट्रेक्ट पर लिए गए थे, जिन्हें अब स्थाई किया जा चुका है। इसके अलावा स्थाई 170 अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। निगम में 620 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। इसके अलावा विभिन्न प्राइवेट एजेंसियों के कर्मचारियों से भी काम लिया जाता है।

शिकायत से भी फर्क नहीं पड़ता

कई अधिकारी और कर्मचारी ऐसे भी हैं, जिन्हें शिकायत से भी फर्क नहीं पड़ता। वे शिकायकर्ता को भी सरेआम बोल देते हैं कि जहां चाहे शिकायत कर लो, काम हमें ही करना है। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।ये वहीं अधिकारी हैं जो लम्बे समय से अपनी कुर्सियों से चिपके हुए हैं। इन अधिकारियों को या तो अपने पुराने राजनीतिक सम्बंधों वाले आकाओं पर ज्यादा विश्वास है या इनकी जड़ें सिस्टम में अंदर तक पहुंच चुकी हैं। इसके अलावा ऐसे पीड़ित भी हैं जो शिकायतों को लेकर कई कई साल से घूम रहे हैं।

काम न करने वालों पर होगी कार्रवाई

नगर निगम के कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं। सरकार ने जनहित में बड़े फैसले लिए हैं। अगर कोई अधिकारी या कर्मचारी काम न करे तो हमें उसकी शिकायत करें। मेरे दरवाजे रोहतक के लोगों के लिए खुले थे और खुले हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से भी नगर निगम आयुक्त से इस विषय को लेकर बातचीत करूंगा। लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। लोगों से भी आग्रह है कि लोग भी अपने सभी दस्तावेज साथ लेकर कार्य करवाने के लिए आएं।

-मनीष ग्रोवर, पूर्व सहकारिता मंत्री

खबर संक्षेप

कोर्ट में पेश न होने पर तीन आरोपी भगोड़े घोषित

रोहतक। शहर थाना पुलिस ने अदालत में पेश न होने पर तीन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया है। अदालत ने लगातार सुनवाई से अनुपस्थित रहने पर तीनों को भगोड़ा घोषित किया है। इनमें दिलीप वर्मा और अजीत सिंह पर 2016 के धोखाधड़ी के मामले (धारा 406, 420, 34) में पेश न होने का आरोप है, जबकि नवीन पर एनडीपीएस एक्ट के 2018 के मामले में कोर्ट में हाजिर न होने का मामला है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल

महम। फरमाणा गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में ट्रैक्टर के साथ लगी रोटावेटर लगने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस संबंध में घायल युवक ने महम थाने में एक शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में फरमाणा खास गांव निवासी विकास पुत्र राजवीर ने बताया कि गत दिवस वह शाम को 8 बजे महम से मोटर साइकिल पर सवार होकर अपने गांव जा रहा था। जब वह गांव के पास इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो सामने एक ट्रैक्टर तेज गति से आ रहा था। जिसके पीछे रोटावेटर भी जुड़ा हुआ था। ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से ट्रैक्टर चलाते हुए रोटावेटर उसकी मोटर साइकिल में मार दिया। जिस वजह से उसके दाहिने पैर में चोट लग गई। ट्रैक्टर चालक उसके ही गांव का दीपक पुत्र अजीत सिंह है।

चोरी हुई स्कूटी बरामद आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। भरत कॉलोनी से घर के बाहर खड़ी स्कूटी चोरी होने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पहचान गोबिंद पुत्र श्याम किशोर निवासी डेयरी मोहल्ला के रुप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा स्कूटी भी बरामद कर ली है। बता दे कि भरत कॉलोनी निवासी गोपाल की शिकायत पर थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। गोपाल ने बताया कि उसने स्कूटी 21 मई की शाम घर के बाहर गली में खड़ी की थी। अगले दिन सुबह स्कूटी वहां से गायब मिली।

चमेली मार्केट के हालात

बाजारों में अतिक्रमण, लग रहे जाम, व्यापारी परेशान

पार्षदों ने लिखा मेयर और आयुक्त को पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर के प्रमुख बाजारों में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण ने आम लोगों और व्यापारियों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क किनारे अवैध कब्जों, रेहड़ी-फड़ी और दुकानों के बाहर सामान रखे जाने के कारण बाजारों में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। हालात ऐसे हैं कि ग्राहकों ने भी अब बाजारों में आने से परहेज करना शुरू कर दिया है। समस्या को गंभीर बताते हुए पार्षद नीरा भटनागर और पार्षद कपिल नागपाल ने मेयर और नगर निगम आयुक्त को पत्र भेजकर जल्द अतिक्रमण हटाने की मांग उठाई है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आगामी हाउस मीटिंग में अधिकारियों के समक्ष यह मामला रखा जाएगा। पार्षदों का कहना है कि शहर के मुख्य बाजारों रेलवे रोड, प्रताप चौक, चमेली मार्केट, किला रोड, गोहाना अड्डा सहित भीड़भाड़ वाले चौकों और प्रमुख सड़कों पर अतिक्रमण लगातार बढ़ रहा है। दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के बाहर तक सामान फैलाने और कई जगह रेहड़ी संचालकों के कब्जे के कारण सड़कें संकरी हो गई हैं। निकलना मुश्किल हो गया है।

आम लोग परेशान

बाजारों में अतिक्रमण की वजह से आम लोग परेशान हैं। कई बार शिकायतें मिलने के बाद मेयर और निगम आयुक्त को पत्र भेजा गया है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो हाउस की बैठक में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। -**कपिल नागपाल**, पार्षद

बिना भेदभाव हो कार्रवाई

बाजारों में जाम लगने से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। निगम प्रशासन को बिना भेदभाव के कार्रवाई करनी चाहिए ताकि लोगों को राहत मिल सके और बाजारों की व्यवस्था बेहतर हो।

-**नीरा भटनागर**, पार्षद

जल्द हटाया जाए

बाजारों में अतिक्रमण की वजह से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। दुकानों के आगे खड़ी रेहड़ियों को भी हटाया जाना चाहिए। साथ ही व्यापारियों को दुकानों के बाहर सामान नहीं रखना चाहिए।

-**जितेंद्र कुमार**, व्यापारी रेलवे रोड

स्नैचर बेखौफ... 2 दिन में 3 महिलाओं की चेन तोड़ी

एसपी के चेकिंग अभियान पर उठे सवाल, कॉलोनियों में दहशत का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर में अपराध पर लगाम लगाने के लिए एसपी के आदेश पर पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। जगह-जगह नाके लगाए जा रहे हैं, संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है और पुलिस गश्त बढ़ाने के दावे भी किए जा रहे हैं। लेकिन इन तमाम दावों के बीच चेन स्नैचरों ने पुलिस व्यवस्था को खुली चुनौती दे दी है। पिछले दो दिनों में शहर में तीन महिलाओं की चेन तोड़ने की वारदातों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार हो रही घटनाओं से महिलाओं में डर और कॉलोनियों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चिन्योट कॉलोनी : टहल रही महिला को बनाया निशाना

ताजा मामला चिन्योट कॉलोनी का है। यहां रहने वाली राखी देर रात अपने घर के बाहर टहल रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। इससे पहले कि महिला कुछ समझ पाती, पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उसके गले से सोने की चेन तोड़ ली। वारदात इतनी तेजी से हुई कि महिला शोर मचाती रह गई और आरोपी बाइक दौड़ाकर फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए, लेकिन तब तक आरोपी आंखों से ओझल हो चुके थे। राखी ने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी।

सेक्टर-1 : सब्जी लेने गई कविता से भी चेन झपटी

दूसरी घटना सेक्टर-1 में सामने आई। यहां रहने वाली कविता बाजार में सब्जी लेने गई हुई थी। वह दुकान पर सब्जी खरीदने में व्यस्त थी कि तभी बाइक सवार दो युवक उसके नजदीक आए और झपट्टा मारकर उसकी चेन तोड़ ली। अचानक हुई वारदात से कविता घबरा गई और मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन आरोपी भीड़भाड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि वारदात कुछ ही सेकेंड में हुई और आरोपी हेलमेट पहने हुए थे, जिसके चलते उनकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने कविता की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है और फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

सेक्टर-2 : घर लौट रही रही थी, तभी की वारदात

वहीं, तीसरी वारदात सेक्टर-2 में हुई, जहां एक महिला अपने घर लौट रही थी। बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक काफी देर से महिला का पीछा कर रहे थे। जैसे ही महिला अपने घर के पास पहुंची, आरोपियों ने पीछे से आकर उसकी चेन तोड़ ली और फरार हो गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग बाहर निकले, लेकिन तब तक आरोपी निकल चुके थे। लगातार हो रही इन घटनाओं से शहरवासियों में रोष बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस चेकिंग अभियान केवल मुख्य सड़कों और चौकों तक सीमित है, जबकि स्नैचर कॉलोनियों और अंदरूनी इलाकों को निशाना बना रहे हैं। महिलाएं अकेले बाहर निकलने में डर महसूस करना शुरू कर दिया है।

दिल्ली बाइपास पर होटल में मिला डिलीवरी ब्वॉय का शव

हरिभूमि ▶▶ रोहतक

अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने दिल्ली बाइपास स्थित एक होटल में जनता कॉलोनी निवासी 30 वर्षीय डिलीवरी ब्वॉय विशाल का शव मिलने के मामले की जांच शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा कमरे से जरूरी साक्ष्य जुटाए गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि विशाल होटल के कमरे में ठहरा हुआ था। काफी देर तक कमरे से कोई हलचल न होने पर होटल स्टाफ ने जांच की, जहां उसका शव फंदे से लटका मिला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों के अनुसार विशाल पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था। पुलिस आशंका जता रही है कि तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया हो सकता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

परिजनों के अनुसार विशाल कई दिन से परेशान था

गोहाना रोड पर जसिया गांव के पास हादसा

सड़क पार कर रहे किसान को कार से कुचला, पीजीआई में तोड़ा दम

हरिभूमि ▶▶ रोहतक

गोहाना रोड पर शुक्रवार शाम तेज रफ्तार का कहर एक किसान की जिंदगी पर भारी पड़ गया। जसिया गांव के पास सड़क पार कर रहे किसान को तेज गति से आई कार ने इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह करीब दो फीट हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि आरोपी चालक कार समेत फरार हो गया। गंभीर हालत में किसान को पीजीआई ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सदर थाना पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी वाहन चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को दी शिकायत में जसिया गांव निवासी अजय ने बताया कि वह अपने भाई नारायण सिंह (50) के साथ शुक्रवार शाम खेतों में सिंचाई करने गए थे। दोनों अलग-अलग खेतों में काम कर रहे थे। नारायण सिंह पास में स्थित ईंख के खेत में पानी लगा रहे थे। शाम करीब 5:20 बजे वह सड़क पार कर नजदीक बने कोठड़े पर हुक्का पीने जा रहे थे। इसी दौरान रोहतक की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। पीजीआई के ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया।

ईवी एजेंसी मालिक बोले-आने वाले समय ईवी का : दिल्ली, चंडीगढ़ से वाहन लेना पसंद करते हैं हरियाणा निवासी

रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट से प्रदेश के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में आएगा बूम, अभी ग्राहकों से वसूला जा रहा 12 प्रतिशत तक टैक्स

हरिभूमि ▶▶ रोहतक

सिटी पल्स

हरियाणा में आने वाला समय इलेक्ट्रिक वाहनों का है। सरकार इन वाहनों को टैक्स फ्री करने की तैयारी कर रही है। ऑटोमोबाइल कारोबार से जुड़े लोगों और ईवी एजेंसी संचालकों का मानना है कि अगर राज्य सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगने वाला रजिस्ट्रेशन शुल्क खत्म कर दे तो प्रदेश में ईवी बाजार में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। उनका कहना है कि सरकार को पर्यावरण संरक्षण तथा बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए इस दिशा में जल्द फैसला लेना चाहिए। अब जो हालात हैं, उसमें टैक्स से बचने के लिए हरियाणा के लोग दिल्ली, चंडीगढ़ में दूसरों के पतों पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीद कर रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। फिलहाल हरियाणा में इलेक्ट्रिक वाहनों पर करीब 12 प्रतिशत तक टैक्स वसूला जा रहा है। कारोबारियों का कहना है कि टैक्स के कारण वाहन महंगे हो जाते हैं, जिससे कई ग्राहक खरीदारी से पीछे हट जाते हैं। यदि सरकार टैक्स में राहत देती है तो कारों और दुपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में भारी बढ़ोतरी हो सकती है।

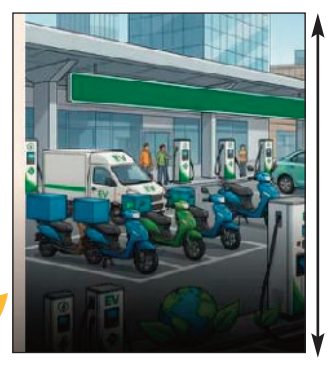

कीमत हो जाएंगी काफी कम

अगर सरकार ईवी वाहनों से रजिस्ट्रेशन टैक्स खत्म कर दे तो इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में काफी कमी आएगी। इससे आम लोगों को राहत मिलेगी और ज्यादा से ज्यादा लोग पेट्रोल-डीजल वाहनों से दूरी बनाकर इलेक्ट्रिक वाहन अपनाएंगे। इससे न केवल प्रदूषण कम होगा बल्कि ईंधन पर होने वाला खर्च भी घटेगा। साथ ही राज्य में ईवी इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

-**नीरज भारद्वाज**, जीएम, महेंद्रा लोहचब

इलेक्ट्रिक वाहन समय की जरूरत

सरकार यदि समय रहते इलेक्ट्रिक वाहनों से रजिस्ट्रेशन टैक्स खत्म करने का फैसला लेती है तो हरियाणा भी देश के अग्रणी ईवी राज्यों में शामिल हो सकता है। पर्यावरण विशेषज्ञ भी मानते हैं कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना समय की जरूरत है। सभी की नजर हरियाणा सरकार के अगले कदम पर है। प्रधानमंत्री पेट्रोल, डीजल बचाने के लिए आह्वान कर रहे हैं। सरकारों को ईवी सेक्टर को प्रोत्साहन देना चाहिए।

-**राजेंद्र बंसल**, डायरेक्टर, किया शोरूम

दिल्ली, चंडीगढ़ और राजस्थान में फ्री टैक्स

मध्यम वर्ग के लोग इलेक्ट्रिक स्कूटर और कार खरीदने के लिए ज्यादा उत्साहित होंगे। ईवी कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि देश के कई राज्यों में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए टैक्स में राहत दी जा चुकी है। दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहन टैक्स फ्री हैं या फिर उपभोक्ताओं को विशेष छूट दी जा रही है। हरियाणा के कारोबारियों का कहना है कि यदि यहां भी टैक्स हटाया जाता है तो प्रदेश तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ेगी।

तेजी से बढ़ रहा लोगों का रुझान

ईवी एजेंसी संचालकों के अनुसार पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों से लोगों का रुझान तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ा है। पिछले वर्षों में इलेक्ट्रिक स्कूटर, बाइक और कारों की बिक्री लगातार बढ़ी है। कम खर्च, बेहतर माइलेज, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और नई तकनीक से उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है। उनका कहना है कि हरियाणा में ईवी की बिक्री अच्छी है और टैक्स खत्म होने के बाद बाजार में बड़ा बूम आ सकता है।

दवा दिलवाने जा रहे दंपति को वाहन ने मारी टक्कर, महिला की मौत

- गांव लाखन माजरा के समीप दर्दनाक हादसा

रोहतक। जींद रोड पर गांव लाखन माजरा के समीप हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति घायल हो गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान संतोष निवासी गांव कालवा, जिला जींद के रूप में हुई है। संतोष के पति आजाद सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी के पैर में दर्द रहता था। वह उसे दवा दिलवाने के लिए गिरावड़ गांव लेकर जा रहे थे। शनिवार सुबह करीब 6 बजे दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर रोहतक-जींद रोड से गुजर रहे थे। जैसे ही वे गांव लाखन माजरा के समीप पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने दोनों को उपचार के लिए पीजीआईएमएस रोहतक पहुंचाया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। वहीं आजाद सिंह का उपचार जारी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मृतका के पति की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि फरार वाहन और चालक की पहचान की जा सके।

यात्रा का मकसद पूरे प्रदेश में सामाजिक भाईचारा कायम करना रहा : सिंह

सद्भाव यात्रा के समापन पर दिखी बृजेंद्र सिंह की ताकत, जुटे दिग्गज

हरियाणा कांग्रेस के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र, राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला और वरिष्ठ नेता डीपी राय ने दर्ज कराई मौजूदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पूर्व सांसद एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेशी मामले विभाग के उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में करीब 8 माह से चल रही सद्भाव यात्रा का शनिवार को समापन हो गया। यात्रा के समापन अवसर पर हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी जितेंद्र बघेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह डूमरखां, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र, राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व विधायक डीपी राय, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष धर्मपाल मलिक, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी, प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा, रण सिंह मान, प्रेमलता, वीरेंद्र पाल, शाहिदा खान व शंकर भारद्वाज मौजूद रहे। इसके अलावा कांग्रेस के पलवल जिलाध्यक्ष नेत्रपाल अधाना, चरखी दादरी जिलाध्यक्ष सुशील धानक, फरीदाबाद जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक, नूंह जिलाध्यक्ष रजिया बानो, पलवल जिलाध्यक्ष सविता कूंड और जींद जिलाध्यक्ष लाजवंती ढिल्लो भी उपस्थिति रही। यात्रा की शुरूआत शाम को रोहतक के राजीव चौक से हुई और फिर यह यात्रा विभिन्न रास्तों से होते हुए भिवानी स्टैंड पर संपन्न हुई। भिवानी स्टैंड पर हुई जनसभा को संबोधित करते हुए बृजेंद्र सिंह ने कहा कि यात्रा का मकसद हरियाणा में सामाजिक भाईचारा कायम करना रहा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 साल से भी अधिक समय में बीजेपी ने देश व प्रदेश में सामाजिक भाईचारे को खराब करने का काम किया है। हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने भी यात्रा की सराहना करते हुए बृजेंद्र सिंह को बधाई दी। वहीं, यात्रा के मीडिया प्रभारी एडवोकेट अमित काजल ने कहा, यात्रा से कांग्रेस संगठन को मजबूती मिली। इसमें कांग्रेस के पुराने नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए व यात्रा को सफल बनाया।

यात्रा का संदेश बहुत आगे तक जाएगा: बघेल

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी जितेंद्र बघेल ने सद्भाव यात्रा की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की यात्रा करने से बहुत कुछ जानने को मिलता है। उन्होंने कहा कि यात्रा का संदेश बहुत आगे तक जाएगा। उन्होंने आरएसएस व भाजपा को भी निशाने पर लिया।

राव नरेंद्र ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कोसा

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र ने हरियाणा में बिगड़ती कानून व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में हरियाणा में बीजेपी शासनकाल में कानून व्यवस्था की स्थिति सबसे खराब है। पिछले डेढ़ साल के दौरान रंगदारी जैसी घटनाओं में बढोतरी हुई है।

कार्यकर्ताओं का आभार जताया

राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने सद्भाव यात्रा की सराहना की। उन्होंने कहा कि सब कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह यात्रा सफल रही। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से यात्रा में शामिल रहे सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश में सद्भाव की आवश्यकता है क्योंकि भाजपा ने सामाजिक भाईचारे को खराब करने का काम किया है। दिल्ली में बैठकर हरियाणा में भाईचारे को खराब करने की साजिश रची गई। सुरजेवाला ने देश की आर्थिक हालत पर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया।

राहुल के सामने चेहरा दिखाने गए भूपेंद्र हुड्डा नहीं हुए शामिल

■ सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित जिले के चारों विधायकों ने नहीं दर्ज कराई उपस्थिति

रोहतक। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बिरेंद्र डूमरखां के बेटे बृजेंद्र सिंह द्वारा पूरे हरियाणा में निकाली जा रही सदभावना यात्रा में कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई। शनिवार शाम को रोहतक के भिवानी स्टैंड पर यात्रा का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, लेकिन कार्यक्रम में कांग्रेस के कई बड़े चेहरे नदारद रहे। इससे राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र हुड्डा समेत रोहतक जिले के तीनों कांग्रेस विधायक शकुंतला खटक, बीबी बतरा, बलराम दांगी शामिल नहीं हुए। बड़े नेताओं की अनुपस्थिति को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में अलग-अलग तरह की चर्चाएं होती रहीं। साथ ही सांसद शैलजा सहित पूर्व सांसद डॉ अशोक तंवर और उनके करीबी भी यात्रा में नहीं पहुंच पाए। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कार्यक्रमों में सक्रिय दिखाई देने वाले बड़े नेताओं का इस यात्रा से दूरी बनाए रखना पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को संदेश देने जैसा है। ऐसे में यह कार्यक्रम कांग्रेस के भीतर जारी खींचतान और गुटबाजी की ओर इशारा करता नजर आया। हालांकि आयोजन से जुड़े नेताओं ने इसे सामान्य व्यस्तता बताते हुए किसी प्रकार के मतभेद से इनकार किया। सदभावना यात्रा का उद्देश्य प्रदेश में भाईचारा, सामाजिक सौहार्द और कांग्रेस संगठन को मजबूत करने का संदेश देना बताया गया। अपने संबोधन में बृजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में भाईचारे और सदभावना का माहौल बनाए रखना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज को जात-पात और नफरत की राजनीति से ऊपर उठकर विकास और सामाजिक एकता की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने की अपील की। हालांकि राजनीतिक हलकों में इसे कांग्रेस की अंदरूनी कलह से जोड़कर देखा जा रहा है। आने वाले समय में पार्टी नेतृत्व इस मामले को किस तरह संभालता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। गौरतलब है कि पूर्व सांसद एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेशी मामले विभाग के उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में चल रही सद्भाव यात्रा का रोहतक में समापन कार्यक्रम पहले ही तय कर दिया गया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह डूमरखां ने प्रेसवार्ता में खुलासा किया था कि हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को निमंत्रण दिया गया है।

न्यूज डायरी

पांच दिवसीय बाढ़ राहत शिविर में प्राकृतिक आपदाओं के राहत कार्य पर दिया प्रशिक्षण

रोहतक। जिला प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन विभाग के तत्वावधान में स्थानीय तिलियार पर्यटन केंद्र पर आयोजित पांच दिवसीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों को बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों के प्रभावी संचालन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि आपदा के समय त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई से जनहानि और नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त जानकारी भविष्य में राहत एवं बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

भाविप ने बाल संस्कार कार्यक्रम में अच्छे आचरण व आदतों पर व्यक्त किए विचार

रोहतक। माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लाखनमाजरा के प्रांगण में भारत विकास परिषद सैक्टर शाखा रोहतक,हरियाणा मध्य प्रांत द्वारा बाल संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें संस्कार संयोजक डॉ कृष्ण लाल गिरधर ने छात्र छात्राओं से अच्छी आदतें, अच्छा आचरण। विषय पर अपने विचार व्यक्त किये और सामुहिक गीत प्रस्तुत किया। बचपन में डाली गई अच्छी आदतें भविष्य निर्माण में सहायक होती है और जीवन सुखमय व आनंददायक होता है।नशा मुक्ति पर विचार रखते हुए संस्कार टोली सदस्य डॉ आनंद सिंह दांगी ने नशे दूर रहने और अपने परिवार में नशीला पदार्थ लेने वाले व्यक्तियों को इससे मुक्ति दिलाने के उपाय एवं नशामुक्ति केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की कोशिश का वर्णन किया। महिला संयोजिका प्रोफेसर वीना फौगाट ने स्वास्थ्य और योगा टिप्स, ध्यान ,योगासन का वर्णन किया। प्रोफेसर सविता मलिक ने हमारे देश में प्राचीन काल में राष्ट्रीय विस्तार और विकास पर विचार रखे। रिटायर्ड प्रिंसिपल राघव ने सनातन संस्कृति और राष्ट्रीय प्रेम और भक्ति में महिला और युवाओं का योगदान, अपने साथ हुए गलत व्यवहार को मां, बाप, भाई,बहन और अध्यापकों से साझां करने और निडर बनने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों और छात्र छात्राओं को संकल्प शपथ संस्कार संयोजक डॉ कृष्ण लाल गिरधर ने दिलवाई

एएफसी स्कूल में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सांपला। कस्बे के एएफसी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि शिक्षा बोर्ड चैयरमेन डॉ पवन शर्मा रहे। उन्होंने मैरिट में आने वाले 30 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का शार्ट कट का कोई रास्ता नहीं है। मन लगाकर पढ़ने वाले विधार्थी परिवार और स्कूल का नाम रोशन करते हैं। चेयरमैन ने कहा कि आज के समय में केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं है शिक्षा का मुख्य उद्देश्य चरित्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी जगाना है। चेयरमैन ने बताया कि सरकारी स्कूल और ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है। इस बार भी ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों ने परीक्षा में अच्छे अंक हासिल किए हैं।

तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन में दर्शाई भारतीय हस्तलिपि की सांस्कृतिक विरासत

सांपला। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत हस्तशिल्प सेवा केन्द्र, रेवाड़ी द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांपला में 21 से 23 मई तक तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय हस्तशिल्प की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना तथा उनमें पारंपरिक शिल्प कलाओं के प्रति रुचि एवं कौशल विकास को प्रोत्साहित करना था।

विद्यार्थी कला में नवाचार और रचनात्मकता शैली से बनाएं अलग पहचान : प्रो. मिलाप

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग का दौरा किया और शिक्षकों और शोधार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेते हुए विद्यार्थियों को कला के क्षेत्र में नवाचार, रचनात्मक सोच और आधुनिक तकनीकों से जुड़ने का संदेश दिया।

कुलपति प्रो. मिलाप पूनियाँ ने कहा कि दृश्य कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और बदलते समय को समझने और प्रस्तुत करने का सशक्त जरिया है। उन्होंने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने, नए प्रयोग करने और समकालीन विषयों पर रचनात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कला के विद्यार्थियों को पारंपरिक ज्ञान के साथ नई तकनीकों और वैश्विक रुझानों की समझ भी विकसित करनी होगी, तभी वे अपनी अलग पहचान बना सकेंगे। कुलपति ने शोधार्थियों से शोध गतिविधियों और रचनात्मक परियोजनाओं पर चर्चा करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का आह्वान किया।

विद्यालय में अनुशासन, प्रगति व शिक्षा के नए आयाम स्थापित करना प्राथमिकता: बत्रा

■ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पिलाना में विदाई सह स्वागत समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पिलाना में एक विशेष और भावुक विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में विद्यालय के निवर्तमान प्राचार्य को खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत होने पर पूरे विद्यालय परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। शिक्षकों ने उनके कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता और अनुशासित कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में स्कूल ने शिक्षा, खेल और संस्कारों के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। विदाई की इस वेला में स्टाफ सदस्यों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। इसी समारोह के दौरान विद्यालय की नवनियुक्त प्राचार्या शिल्पी बत्रा का भी शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यभार संभालने पर स्टाफ सदस्यों ने उन्हें पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। नवनियुक्त प्राचार्या शिल्पी बत्रा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय में अनुशासन, प्रगति और उत्कृष्ट शिक्षा के नए आयाम स्थापित करने तथा यहां की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगी।

रोहतक। प्राचार्य को स्मृति चिन्ह देते शिक्षक।

सुपवा के विद्यार्थियों ने पानीपत में किया एक दिवसीय इंडस्ट्रियल भ्रमण

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्रों ने पानीपत का एक दिवसीय इंडस्ट्रियल भ्रमण किया। इसमें डिजाइन फैकेल्टी के टेक्सटाइल डिजाइन विभाग के 29 छात्र-छात्राएं शामिल रहे। उन्होंने महाजन ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया और कंपनी की टेक्सटाइल प्रोडक्शन प्रणाली को करीब से देखा। छात्रों ने महाजन इंडस्ट्रीज के विभिन्न विभागों रंगाई, बुनाई, वाशिंग व फिनिशिंग, नमूना निर्माण, स्क्रीन व डिजिटल प्रिंटिंग, डिजाइन, फोटोग्राफी स्टूडियो का दौरा किया। छात्रों को इस भ्रमण के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला। इंडस्ट्रियल भ्रमण में महाजन इंडस्ट्रीज के सोर्सिंग हेड जितेंद्र सिंह की भूमिका काबिले तारीफ रही। डिजाइन डायरेक्टर कृष्ण गोराई ने डिजाइन व फोटोग्राफी स्टूडियो में डिजाइन ब्रीफ डेमोस्ट्रेशन दिया। वीविंग हेड हिमांशु मिश्रा ने बुनाई की तैयारी और बुनाई प्रक्रिया को डेमोस्ट्रेशन के जरिए छात्रों को समझाया। एचआर रोहित धमीजा ने छात्रों के इंडस्ट्रियल भ्रमण का इंतजाम कराने में सहयोग दिया। डिजाइनर श्वेता व मर्चेंडाइजर खुशी ने छात्रों को महाजन इंडस्ट्रीज के विभिन्न विभागों का दौरा करवाया।

पोक्सो अधिनियम के प्रति जागरूकता के लिए हुआ विशेष कानूनी साक्षरता कार्यक्रम

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार तेवतिया तथा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल सिंह के मार्गदर्शन में स्थानीय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पोक्सो अधिनियम के संबंध में एक विशेष कानूनी जागरूकता एवं साक्षरता कार्यक्रम तथा जागरूकता रैली का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को बच्चों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा तथा पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों के प्रति जागरूक करना था। मौके पर विद्यालय की छात्राओं एवं आशा वर्करों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा जागरूकता रैली के माध्यम से समाज को बाल सुरक्षा एवं महिला सम्मान का संदेश दिया। डिफेंस काउंसिल डिप्टी चीफ राजबीर कश्यप तथा पैनल एडवोकेट संजय धीमान ने उपस्थित छात्राओं एवं प्रतिभागियों को पोक्सो अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, बच्चों के कानूनी अधिकारों, साइबर अपराधों से सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

कलानौर व जिंदरान के किसानों को जलमग्न हुई फसल का मिलेगा मुआवजा

रोहतक। जिला के ब्लॉक कलानौर व गांव जिंदरान के किसानों ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर जलमग्न हुई फसलों का मुआवजा लेने के लिए आवेदन किया था। लेकिन मुआवजा नहीं मिला तो किसानों ने कोर्ट का सहारा लिया। एडवोकेट जसबीर सिंह बजाड़ व एडवोकेट परमवीर सिंह दून ने किसानों की तरफ से पैरवी करते हुए हाई कोर्ट में मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा और किसानों के हक में फैसला करवाया। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में फसलों के नुकसान का सर्वेक्षण करने के लिए एक टीम गठित करने व कलानौर और गांव जिंदरान के प्रभावित क्षेत्र की तत्काल गिरदावरी करवाकर प्रति एकड़ न्यूनतम 15 हजार रुपए मुआवजा देने के निर्देश दिए है।

महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं मनोही खन्ना

रोहतक। मूलरूप से जिला के गांव आंवल की बहू 35 वर्षीय शिक्षित गृहिणी मनोही खन्ना (वर्तमान में दिल्ली निवासी) ने अपनी मेहनत, लग्न और वैज्ञानिक सोच के बल पर मत्स्य पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों को अवसर में बदलते हुए एक सफल मत्स्य उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। मनोही खन्ना ने अपनी सास ऊषा खन्ना से प्रेरणा लेकर वर्ष 2021 में 2.5 एकड़ के तालाब में मछली पालन का कार्य प्रारंभ किया।

अंधेर नगरी से हुई नाटक फेस्टिवल की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सप्तक कल्चरल सोसाइटी रोहतक के प्रसिद्ध हास्य नाटक अंधेर नगरी का आज हिपा के नाटक फेस्टिवल में सफल मंचन हुआ। हिंदुस्तान में नाटक के पितामह भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा लगभग 150 साल पहले लिखे गए अंधेर नगरी का निर्देशन अविनाश सैनी ने किया। नौटकी शैली में प्रस्तुत एक घंटे का यह नाटक दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरने में कामयाब रहा।नाटक में उस समय के समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार पर करारा व्यंग्य किया गया है। मज़े की बात यह रही कि उस वक्त का व्यंग्य आज के भारत में भी बिलकुल प्रासंगिक नजर आता है। लोगों ने महसूस किया कि यह सारा भ्रष्टाचार और बौद्धिक दिवालियापन तो आज भी समाज और सत्ता के गलियारों में मौजूद है।

नाटक में कलाकारों ने उम्दा अभिनय का परिचय दिया, जिसे दर्शकों की भरपूर सराहना मिली।बता दें कि पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय क्राफ्ट महोत्सव सूरजकुंड, पिचहत्तर दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य समारोह 'अलवर रंगम', राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव पटियाला, सीएसओआई दिल्ली सहित हिसार, झज्जर, भिवानी और महेन्द्रगढ़ में हो चुके इस नाटक में अविनाश सैनी ने चेले की मुख्य भूमिका निभाई और अपने सजीव अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया।

डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने गुरू, ललित खन्ना ने राजा और पान वाले तथा विकास रोहिल्ला ने मंत्री की भूमिका बखूबी निभाई।

सनकी व मूर्ख राजा से मिला छुटकारा

अंधेर नगरी एक ऐसे राज्य की कहानी है, जिसमें मूर्ख और बुद्धिमान, सभी को बराबर माना जाता है। इसीलिए वहां सभी सामान टके सेर मिलता है, फिर चाहे वह सोना हो या भूसा। वहां का राजा चौपट खुद बेवकूफ है। कथा के अनुसार, नगर में एक औरत की बकरी किसी की दीवार के नीचे दब कर मर जाती है। न्याय करने का दिखावा करते हुए राजा बारी बारी से दीवार के मालिक, कारीगर, भिश्ती, कसाई, गडरिए और राज के कोतवाल को फांसी देने का हुक्म देता है, लेकिन सब लोग उसे बेवकूफ बना कर बच जाते हैं। बाद में वह चेले को केवल इसलिए फांसी का हुक्म दे देता है, कि फांसी का फंदा उसकी गर्दन में फिट आ जाता है। परन्तु अंत में गुरु व चेला अपनी बुद्धिमत्ता से राजा को ही फांसी पर चढ़ने को मजबूर कर देते हैं और राज्य को एक सनकी व मूर्ख राजा से छुटकारा मिलता है।

ये रहे मौजूद

धर्मपाल मलिक, सुनीत धवन, डॉ. दीपक भारद्वाज एडवोकेट, गुरुग्राम से अर्जुन वशिष्ठ, तरुण पुष्प त्रिखा, पवन गहलोत, यतिन वधवा, विकास गुप्ता सहित शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति व्यक्ति उपस्थित थे।

हरिभूमि मेरा शहर मेरी समस्या पहल — जनता कॉलोनी

भीषण गर्मी में निजी टैंकरों पर निर्भर लोग

नहर भरी हो या खाली, फिर भी सप्लाई की समस्या जस की तस

सप्लाई लाइन में आए दिन कोई न कोई खराबी बनी रहती है, जिसके कारण नियमित जलापूर्ति नहीं हो पाती।

■ सुबह से शाम तक नलों में पानी नहीं आता और यदि आता भी है तो बेहद कम प्रेशर से, ऐसे में घर का कामकाज होता है प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भीषण गर्मी के बीच शहर की जनता कॉलोनी के लोगों को सबसे बड़ी परेशानी पेयजल संकट की झेलनी पड़ रही है। हालात ऐसे हैं कि नहर में पानी हो या ना हो लेकिन कॉलोनी के कई घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सप्लाई लाइन में आए दिन कोई न कोई खराबी बनी रहती है, जिसके कारण नियमित जलापूर्ति नहीं हो पाती। मजबूरी में लोगों को निजी टैंकरों से पानी मंगवाकर जरूरत पूरी करनी पड़ रही है। कॉलोनी की महिलाओं का कहना है कि पानी की समस्या अब रोजमर्रा की परेशानी बन चुकी है। कई बार सुबह से शाम तक नलों में पानी नहीं आता और यदि आता भी है तो बेहद कम प्रेशर से। ऐसे में घर का कामकाज प्रभावित होता है और पीने के पानी की भी चिंता बनी रहती है। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद अधिकारी मौके पर पहुंचकर केवल औपचारिकता निभाते हैं। लोगों ने मांग की है कि कॉलोनी की जलापूर्ति व्यवस्था की पूरी जांच कर स्थायी समाधान किया जाए, ताकि गर्मी के मौसम में लोगों को पानी के लिए भटकना न पड़े। ज्यादातर घरों में बुजुर्ग महिलाएं है घर में पानी लाने वाला कोई अन्य सदस्य है नहीं, ऐसे में सबसे ज्यादा समस्या उन्हें ही झेलनी पड़ती है।

सप्लाई व्यवस्था की सही तरीके से जांच होनी चाहिए

समस्या नई नहीं है, बल्कि पिछले काफी समय से बनी हुई है। जलघर भरे होने के बावजूद सप्लाई सुचारू नहीं रहना विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। पाइप लाइन और सप्लाई व्यवस्था की सही तरीके से जांच होनी चाहिए। लोग पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान हो रहे हैं। -देवेंद्र

बच्चे-बुजुर्ग ज्यादा परेशान

विभाग को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा। अधिकारी शिकायत के बाद दो-चार दिन तक व्यवस्था ठीक कर देते हैं, लेकिन फिर वही परेशानी शुरू हो जाती है। गर्मी में छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। -रेणू दहिया

निजी टैंकरों के कारण खर्च बढ़ता जा रहा

"हर दूसरे-तीसरे दिन टैंकर मंगवाना पड़ता है। कई बार समय पर टैंकर नहीं मिलते, तब आसपास के इलाकों से सिर पर पानी भरकर लाना पड़ता है। इतनी गर्मी में यह काम बहुत मुश्किल हो जाता है। -राजबाला

स्थायी समाधान हो

पानी की किल्लत के कारण घरों में झगड़े तक होने लगे हैं। सुबह जल्दी उठकर पानी भरने की चिंता रहती है। कभी सप्लाई आती है तो कभी नहीं। कई बार रात तक इंतजार करना पड़ता है। प्रशासन को इस समस्या का स्थायी समाधान करना चाहिए। -लीना

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

खबर संक्षेप

सीएमबीटी में आधुनिक त्वचा रोग विज्ञान पर विशेष व्याख्यान

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी (सीएमबीटी) में त्वचा स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा और जीवनशैली: आधुनिक त्वचा रोग विज्ञान परिप्रेक्ष्य विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शीनम हुड्डा ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को त्वचा स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा प्रणाली, पोषण, तनाव और जीवनशैली के बीच गहरे संबंधों की जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक त्वचा रोग विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ त्वचा और बेहतर स्वास्थ्य के लिए संतुलित जीवन शैली, उचित खानपान और तनाव प्रबंधन को आवश्यक बताया। सीएमबीटी निदेशक डॉ. हरि मोहन ने उपस्थित अतिथियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए वर्तमान समय में त्वचा स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा क्षमता और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया।

भाजपा की प्रदेश स्तरीय बैठक कल पंचकूला में

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश स्तरीय सांगठनात्मक बैठक 25 मई को दोपहर 2 बजे पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय 'पंचकमल' में आयोजित की जाएगी। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली तथा संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करेंगे। यह जानकारी भाजपा हरियाणा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में सभी सांसद, प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, प्रदेश पदाधिकारी, जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष, विधायकगण तथा वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा पूर्व सांसद, मेयर, जिला परिषद चेयरमैन, आगामी कार्यक्रमों की प्रदेश टोली, प्रदेश मीडिया टीम के सह प्रभारी, प्रदेश प्रवक्ता एवं पैनलिस्ट भी बैठक में भाग लेंगे।

अब स्कूलों में छुट्टियां : बच्चों के चेहरों पर खिली खुशी और कर ली सुपर प्लानिंग

कोई करेगा पहाड़ों की सैर तो कोई हॉबी और खेल में निखारेगा हुनर

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

धार्मिक यात्रा से पहाड़ों की वादियों और समर कैंप तक, साझा किए अरमान, क्रिकेट, योग, बैडमिंटन और समर एक्टिविटीज से दिन भी होंगे खास, पढ़ाई के तनाव से दूर अब मनोरंजन और आत्म-विकास को देंगे प्राथमिकता

भीषण गर्मी के बीच 25 मई से शुरू हो रही गर्मियों की छुट्टियों ने स्कूली बच्चों के चेहरों पर खुशी ला दी है। करीब सवा महीने तक चलने वाले इस अवकाश में बच्चे सिर्फ आराम नहीं, बल्कि घूमने, नई चीजें सीखने और खुद को बेहतर बनाने की तैयारी में जुट गए हैं। कोई परिवार के साथ शिमला, मनाली और उत्तराखंड की ठंडी वादियों में जाने को उत्साहित है, तो कोई धार्मिक यात्राओं और नाना-नानी के घर की मस्ती का इंतजार कर रहा है। वहीं, कई बच्चे डांस, म्यूजिक, पेंटिंग और आर्ट जैसी हॉबी को निखारने की योजना बना रहे हैं। खेल प्रेमी बच्चे क्रिकेट, योग, बैडमिंटन और फुटबॉल जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेकर फिटनेस पर भी ध्यान देंगे। बच्चों का कहना है कि छुट्टियां उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्म-विकास और नई ऊर्जा हासिल करने का भी शानदार अवसर हैं। शिक्षा विभाग के आदेशानुसार अब सभी स्कूल करीब सवा महीने के लंबे अवकाश के बाद 1 जुलाई को दोबारा खुलेंगे।

मस्ती फुल ऑन

लर्निंग प्रोसेस जारी रहेगा

शिक्षा विभाग ने प्रदेश में लगातार बढ़ते तापमान और गर्मी के प्रकोप को देखते हुए 30 जून तक स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश (समर वेकेशन) घोषित कर दिया है। छुट्टियों की सूचना मिलते ही शनिवार को विद्यार्थियों के चेहरे पर काफी खुश दिखाई दिए। हालांकि, इस बार की छुट्टियां विद्यार्थियों के लिए केवल आराम और मनोरंजन तक सीमित नहीं रहेंगी। छुट्टियों के दौरान भी बच्चों के सीखने की प्रक्रिया (लर्निंग प्रोसेस) लगातार जारी रहेंगी, ताकि वे रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहें। जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक ने बताया कि अवकाश के दौरान बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से सक्रिय रखने के लिए विशेष टास्क सौंपे गए हैं। बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार प्रोजेक्ट वर्क, आर्ट एंड क्राफ्ट, कहानी लेखन, पेड़-पौधे लगाने (बागवानी), योग और घरेलू कामों में हाथ बंटाने जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को मोबाइल और टीवी की स्क्रीन से दूर रखकर कुछ नया और व्यावहारिक सिखाना है। इसमें स्कूलों के साथ-साथ अभिभावकों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। विद्यार्थी पढ़ाई या किसी भी विषय से जुड़े अपने संशय (डाउट्स) व्हाट्सएप ग्रुप पर मेज सकेंगे, जिनका समाधान संबंधित शिक्षकों द्वारा किया जाएगा।

पहाड़ों की वादियों की लेंगे आनंद

इस बार मई में ही हरियाणा में रिकॉर्डतोड़ गर्मी और लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। ऐसे में बच्चों ने गर्मी से बचने के लिए खास इंतजाम किए हैं। बातचीत के दौरान कई बच्चों ने बताया कि मैदानी इलाकों में धूप ज्यादा है, इसलिए वे अपने परिवार के साथ पहाड़ों की ठंडी वादियों में घूमने जाएंगे। शिमला, मनाली, और उत्तराखंड के विभिन्न हिल स्टेशनों पर जाने को लेकर बच्चे बेहद रोमांचित दिखे।

धार्मिक स्थलों की यात्रा भी करेंगे

कई बच्चों ने अपनी छुट्टियों को आध्यात्मिक व पारिवारिक रंग देने का फैसला किया है। कुछ छात्रों ने बताया कि वे अपने माता-पिता और दादा-दादी के साथ देश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन करने जाएंगे। इसमें शिरडी धाम, नीम करौली बाबा, वृंदावन और अन्य धार्मिक स्थल शामिल हैं।

नाना-नानी का घर भी लिस्ट में टॉप पर

गर्मियों की छुट्टियों का सबसे पसंदीदा हिस्सा यानी नाना-नानी का घर जाना इस बार भी लिस्ट में टॉप पर है। बच्चों का कहना है कि वे सबसे पहले स्कूल से मिले होलीडे होमवर्क को समय पर पूरा करेंगे, ताकि बाद में बिना किसी तनाव के ननिहाल जाकर अपनी मौसी और मामा-मामी के बच्चों के साथ जमकर मस्ती कर सकें।

छात्राएं घर पर ही निखारेंगी हॉबी

सभी बच्चे छुट्टियों में बाहर नहीं जा रहे हैं, बल्कि एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो घर के भीतर रहकर ही कुछ रचनात्मक (क्रिएटिव) करने की सोच रहा है। कई छात्राओं ने बताया कि वे इस खाली समय का सदुपयोग अपनी हॉबी को निखारने में करेंगी। कोई डांस क्लास ज्वाइन कर रहा है, तो कोई पियानो और गिटार बजाना सीखने के लिए उत्सुक है।

खेल के मैदान में पसीना बहाएंगे

खेलों के प्रति बच्चों का रुझान हमेशा से ही रहता है। जहां हरियाणा की बात आती वहां सबसे पहले हमारे खिलाड़ियों को जिक्र जरूर मिलता है। छुट्टियों के दौरान खेल अकादमियों (स्पोर्ट्स एकेडमी) में भी बच्चों की रौनक बढ़ने वाली है। खेल प्रेमियों ने बताया कि वे इन छुट्टियों में सुबह और शाम के वक्त क्रिकेट एकेडमी ज्वाइन करने जा रहे हैं।

जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में पलवित, मोक्ष दक्ष और कर्ण प्रताप क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

■ नन्हे शटलर्स ने अपनी बेहतरीन खेल तकनीक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला बैडमिंटन एसोसिएशन (डीबीए) रोहतक के तत्वावधान में आईएमटी स्थित एसआरएस पब्लिक स्कूल में आयोजित की जा रही 34वीं जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को कोर्ट पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर-09, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15 व अंडर-19 आयु वर्ग के सिंगल्स श्रेणियों में कई रोमांचक और कड़े मुकाबले खेले गए, जहां नन्हे शटलर्स ने अपनी बेहतरीन खेल तकनीक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष राजेंद्र मलिक, टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर रितेश दलाल और सचिव उमेद शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में प्रतिभागी खिलाड़ी, उनके अभिभावक और स्थानीय खेल प्रेमी भी कोर्ट पर खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई के लिए उपस्थित रहे।

जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष यशपाल सिंह पंवार ने मुकाबलों की जानकारी देते हुए बताया कि इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। विशेषकर अंडर-09 बॉयज सिंगल्स श्रेणी में पलवित, मोक्ष नांदल, दक्ष और कर्ण प्रताप ने अपने-अपने कड़े मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा ने जीते 4 पदक

रोहतक। 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा ने पहले दिन 4 पदक जीते। यह प्रतियोगिता झारखंड में आयोजित की जा रही है। सत्यवीर धनखड फरीदाबाद मीडिया प्रभारी खेल ने जानकारी देते हुए बताया कि 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन चैंपियनशिप का 3 दिवसीय आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा बिरसा मुंडा स्टेडियम मोराबादी रांची (झारखंड) में झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में 22 मई से 25 मई तक किया जा रहा है और इस चैंपियनशिप में हरियाणा राज्य से 25 पुरुष और 19 महिला खिलाडियों सहित 44 एथलीट खिलाड़ियों का दल भाग ले रहा है।प्रदीप मलिक महासचिव एथलेटिक्स हरियाणा ने बताया कि बालकिशन भिवानी ने 3 किलोमीटर स्टेपल चेज इवेंट में 8 मिनट 56 सेकेंड और 01 माइक्रोन के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। अंजू हिसार ने 3 किलोमीटर स्टेपल चेज इवेंट में 10 मिनट 28 सेकेंड 23 माइक्रोन का समय देकर कांस्य पदक जीता। निधि रानी रोहतक ने डिस्कस थ्रो इवेंट में 55 मीटर 05 सैंटीमीटर की बेहतरीन थ्रो के साथ रजत पदक जीता। अजय कुमार भिवानी ने हैमर थ्रो इवेंट में 64 मीटर 93 सैंटीमीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता और आशीष जाखड (एस एस सी बी) ने 68 मीटर 52 सैंटीमीटर की थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। संदीप कुमार महेंद्रगढ़ ने 10 किलोमीटर रेस वाक इवेंट में 39 मिनट 51 सेकेंड 95 माइक्रोन का समय देकर रजत पदक अपने नाम किया। दिलबाग सिंह अध्यक्ष एथलेटिक्स हरियाणा और हनुमान सिंह भादू वरिष्ठ उपाध्यक्ष एथलेटिक्स हरियाणा एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक विजेता बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की।

बालकिशन

निधि

न्यूज डायरी

श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता प्रसंग के साथ श्रीमद्भागवत कथा सुनाई

रोहतक। पुरुषोत्तम अधिक मास के पावन अवसर पर शिवाजी कॉलोनी स्थित सनातन धर्म मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का समापन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। कथा के अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अद्भुत मित्रता का मार्मिक प्रसंग सुनाया गया। कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि महाराज ने अपने मुखारविंद से भक्तों को श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता, प्रेम और समर्पण का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता में धन-दौलत नहीं, बल्कि भावनाओं और विश्वास का महत्व होता है। इस अवसर पर डिम्पल जैन, अनीता गर्ग, ईश्वर सिंगला, एमसी सुरेंद्र बत्रा, सरपंच कृष्ण, रिया और नेहा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

वैदिक विरक्त मंडल के तत्वावधान में चलाया जाएगा वैदिक संस्कृति रक्षा अभियान

रोहतक। वैदिक विरक्त मंडल एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टीटोली (रोहतक) में आयोजित चिंतन एवं साधना शिविर का शनिवार संकल्प के साथ समापन हुआ। समापन सत्र का आरंभ यज्ञ से किया गया, जिसके बाद देश में वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार और वर्तमान सामाजिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श हुआ। अभियान के संचालन हेतु विभिन्न राज्यों के संयोजकों की भी नियुक्ति की गई। इनमें उत्तर प्रदेश के लिए स्वामी संपूर्णानंद, दिल्ली के लिए स्वामी सौम्यानंद, मध्य प्रदेश के लिए स्वामी सूर्यवेश, हिमाचल प्रदेश के लिए स्वामी वेद प्रकाश, हरियाणा के लिए स्वामी रामवेश तथा उड़ीसा के लिए स्वामी वृत्तानंद को जिम्मेदारी सौंपी गई।

गुरुकुल शिक्षा और हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण संस्थानों में पहुंची वैदिक विश्वसभा

रोहतक। वैदिक विश्वसभा ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और गुरुकुल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोहतक की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता अभियान शुरू किया है। संस्था चार प्रमुख मुद्दों को लेकर स्कूलों और कॉलेजों में संवाद कर रही है। संस्था का कहना है कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय छात्रों के अभिभावकों से समन्वय स्थापित कर ऐसा तंत्र विकसित करें, जिससे छात्र कक्षाएं और छात्रावास छोड़कर पार्कों, होटलों और बाजारों में समय व्यर्थ न बिताएं। इस अभियान के तहत प्रो. महावीर धीर शास्त्री, डॉ. अनिल कुमार और राजवीर सिंह ने राजकीय महिला महाविद्यालय, वैश्य महिला महाविद्यालय तथा गौड़ ब्राह्मण कॉलेज में संपर्क कर शिक्षकों और विद्यार्थियों से चर्चा की।

इंटर-लीग खेल स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीएन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटर-लीग खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए हैंडबॉल तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए वॉलीबॉल मुकाबले आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कक्षा 6 से 8 की हैंडबॉल प्रतियोगिता में कन्विक्शन लीग ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कक्षा 9 से 12 की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में करेज लीग विजेता रही। कन्विक्शन लीग का संचालन नेहा तथा करेज लीग का संचालन प्रियंका के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मंजू शर्मा, कविता कौशिक, रेखा, सुशील और वीरेंद्र का विशेष योगदान रहा।

खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया

प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीमों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस पंवार ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय की कोऑर्डिनेटर रानी मलिक, तान्या और कमलेश भी मौजूद रहीं।

धूमधाम से मनाया वार्षिक पारितोषिक दिवस

■ विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी अतिथियों और अभिभावकों का मन मोहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गवर्नमेंट हाई स्कूल मकरौली खुर्द में शनिवार को सत्र 2025-26 का वार्षिक पारितोषिक दिवस विद्यालय के डीडीओ यशवीर मलिक के नेतृत्व में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में डाइट मदीना के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र मोर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, गांव मकरौली खुर्द के सरपंच जसवंत सिंह और एसएमसी प्रधान सोनिया ने विशेष अतिथि की भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राएं सम्मानित

विद्यालय के डीडीओ यशवीर मलिक ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया। प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं मानसी और वंशिका को 1100-1100 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा मानसी को 500 रुपये की राशि देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा चौथे और पांचवें स्थान पर रहने वाली छात्राओं को भी प्रोत्साहन पुरस्कार देकर प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि सुरेंद्र मोर और सरपंच जसवंत सिंह ने विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में डीडीओ यशवीर मलिक ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बाबा मस्तनाथ विवि में दाखिले शुरू, बेटियों को मुफ्त शिक्षा और आधुनिक सुविधाओं का लाभ

रोहतक। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से पहचान बना चुके बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से समय रहते दाखिला लेने की अपील की है। विश्वविद्यालय रोजगारपरक शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और बेटियों के लिए मुफ्त शिक्षा योजना के चलते विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विनोद कुमार ने बताया कि संस्थान में करीब 12 प्रमुख संकायों के अंतर्गत 80 से अधिक कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इनमें बीएएमएस, बीटेक, एमटेक, बीसीए, एमसीए, एमबीए, बीफार्मा, डीफार्मा, बीएससी नर्सिंग, पैरामेडिकल, कृषि, शिक्षा, कला, विज्ञान, कॉमर्स और पीएचडी सहित कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा साइबर लॉ, बीवोक. इंजीनियरिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और सेल्स एंड मार्केटिंग जैसे आधुनिक कोर्स भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल लाइब्रेरी, हाई-स्पीड इंटरनेट और रिसर्च सेंटर जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण और स्किल डेवलपमेंट पर विशेष फोकस किया जाता है, ताकि वे पढ़ाई के साथ रोजगार के लिए भी तैयार हो सकें। विश्वविद्यालय परिसर में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग सुरक्षित छात्रावास, खेल मैदान, जिम, मेडिकल सुविधा और रैगिंग मुक्त वातावरण उपलब्ध है। साथ ही समय-समय पर सेमिनार, खेल प्रतियोगिताएं और करियर गाइडेंस कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

■ विवि प्रशासन ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से समय रहते दाखिला लेने की अपील की

एमडीयू में दाखिले शुरू : युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के द्वार

बदलती सोच का मंत्र : सोशियोलॉजी-साइकोलॉजी से काउंसलिंग, कॉर्पोरेट व सिविल सेवा तक मौके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बदलते दौर में युवा अब ऐसे विषयों की ओर रुख कर रहे हैं जो उन्हें बेहतर करियर के साथ समाज को समझने की क्षमता भी दें। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के समाजशास्त्र विभाग के पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. देशराज ने बताया कि समाजशास्त्र (सोशियोलॉजी) और साइकोलॉजी जैसे विषय आज रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। इन विषयों के जरिए छात्र मानव व्यवहार, सामाजिक समस्याओं और बदलते सामाजिक ढांचे को समझते हैं। यही वजह है कि एचआर, काउंसलिंग, मीडिया, एनजीओ, रिसर्च और सिविल सेवा जैसे क्षेत्रों में इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। एमडीयू में यूजी और पीजी कोर्सों के दाखिले भी शुरू हो चुके हैं।

दाखिला प्रक्रिया शुरू

एमडीयू में यूजी और पीजी कोर्स में दाखिले की आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यार्थी यूजी कोर्स में दाखिले के 26 मई तक आवेदन और पीजी में 10 जून तक आवेदन कर सकते हैं। समाजशास्त्र सामाजिक मुद्दों, कुरीतियों और व्यवस्थाओं का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करता है।

स्टूडेंट्स गाइड

रोजगार और करियर के प्रमुख अवसर

सिविल सेवा : संघ लोक सेवा आयोग और राज्य प्रशासनिक सेवाओं में समाजशास्त्र एक बेहद लोकप्रिय और स्कोरिंग विषय रहा है।

शिक्षा और अध्यापन : नेट या बीएड करने के बाद आप विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लेक्चरर या प्रोफेसर के रूप में एक प्रतिष्ठित करियर चुन सकते हैं।

गैर-सरकारी संगठन और सोशल वर्क यदि आपकी रुचि समाज सेवा में है, तो आप राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एनजीओ, यूनिसेफ या चाइल्डलाइन जैसे संगठनों में सोशल वर्कर, प्रोजेक्ट मैनेजर या रिसर्चर के रूप में काम कर सकते हैं।

मानव संसाधन और कॉर्पोरेट सेक्टर : निजी कंपनियों को कर्मचारियों के व्यवहार को समझने और कार्यस्थल का माहौल बेहतर बनाए रखने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

पत्रकारिता और मीडिया : समाज की गहरी समझ होने के कारण ऐसे छात्र प्रिंट, डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सामाजिक मुद्दों के विश्लेषक, पत्रकार या कंटेंट क्रिएटर के तौर पर एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

काउंसलिंग और थेरेपिस्ट (विशेषकर साइकोलॉजी के लिए): अस्पतालों, कॉर्पोरेट घरानों, खेल अकादमियों और शैक्षणिक संस्थानों में आज करियर काउंसलर, मेंटल हेल्थ थेरेपिस्ट और क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ी है।

बाजार अनुसंधान: कॉर्पोरेट कंपनियां उपभोक्ताओं के व्यवहार और उनकी प्राथमिकताओं को समझने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं, जिससे वे अपने उत्पाद को बेहतर ढंग से लॉन्च कर सकें।

मौत के बाद भी जिंदा रहेगी इंसानियत

झज्जर का 14 वर्षीय बच्चा आज देगा कई लोगों को जीवनदान

ब्रेन डेड घोषित, अंगदान का फैसला, हृदय, लीवर, किडनी, गुर्दे और दोनों कॉर्निया का होगा ट्रांसप्लांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

झज्जर जिले के एक 14 वर्षीय मासूम ने मौत के बाद भी जिंदगी की ऐसी मिसाल कायम की है, जिसने पूरे समाज को अंगदान के प्रति जागरूक कर दिया। सड़क हादसे में ब्रेन डेड घोषित हुए इस बच्चे के परिजनों ने पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. एचके अग्रवाल द्वारा प्रदेश में अंगदान को लेकर चलाई जा रही मुहिम से प्रभावित होकर अंगदान का ऐतिहासिक फैसला लिया है। यदि सब सही रहा तो आज मासूम के हृदय, लीवर, किडनी, गुर्दे और दोनों कॉर्निया के दान से कई मरीजों को नया जीवन मिलेगा। झज्जर जिले के गांव निवासी 14 वर्षीय मरीज घायल अवस्था में गत दिवस परिजन उसे पीजीआईएमएस लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने भ्रसक प्रयास किया, लेकिन 21 मई को चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल के मार्गदर्शन में बनी डॉक्टर तरुण, डॉक्टर महिपाल और डॉक्टर अमरनाथ की कमेटी ने दो बार टेस्ट करने के पश्चात मरीज को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉ तरुण ने मरीज के ब्रेन डेड होने के पश्चात सोटो हरियाणा की टीम को दी। डॉ. अग्रवाल खुद चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल के साथ आईसीयू पहुंचे और गमगीन परिवार से मिले।

कुलपति बोले- उम्र छोटी काम बड़ा

रोहतक। बच्चे के परिजनों से बातचीत करते पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. एचके अग्रवाल व अन्य डॉक्टर।

'बेटा चला गया, लेकिन दूसरों को जिंदगी दे गया'

कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने परिजनों के पास बैठकर बेहद संवेदनशीलता से बात की। उन्होंने कहा कि आपका मासूम बच्चा अब लौटकर नहीं आएगा, लेकिन वह बड़ा काम कर रहा है। उसका दिल किसी और बच्चे के सीने में धड़क सकता है। उसकी आंखें किसी को दुनिया दिखा सकती हैं। आपका बेटा भले ही चला गया, पर वह कई घरों का चिराग बन सकता है।

ग्रीन कॉरिडोर से पहुंचाए जाएंगे अंग

शुरू में हिचका परिवार बाद में दे दी सहमति

शुरू में परिवार हिचकिचाया, लेकिन मीडिया द्वारा अंगदान के प्रति जागरूकता की खबरें देखकर और काउंसलिंग टीम के समझाने के बाद परिवार अंगदान के लिए सहमत हो गया। डॉ. अग्रवाल ने परिवार को दिलासा देते हुए कहा कि आपके परिवार ने जो यह साहसिक निर्णय लिया है वह पूरे प्रदेश और देश में अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करेगा।अंगदान से दूसरों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

जरूरतमंदों को नियमों के अनुरूप होंगे अंग अलॉट

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने बताया कि ब्रेन डेड कमेटी में निश्चेतना विभाग से डॉ. तरुण, सर्जरी विभाग से डॉ. महिपाल और न्यूरोसर्जरी विभाग से डॉ. अमरनाथ को शामिल किया गया था। कमेटी ने सभी प्रोटोकॉल पूरे करने के बाद मरीज को ब्रेन डेड घोषित किया। परिजनों की सहमति के बाद रविवार अंगदान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अंग भेजे जाएंगे। नोटो की गाइडलाइन के तहत जरूरतमंद मरीजों की पहचान कर नियमों के अनुरूप उन्हें अंग अलॉट होंगे।

परिवार का साहस समाज के लिए प्रेरणा

कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने कहा कि 14 साल के मासूम बच्चे के परिजनों ने जो साहस दिखाया, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। लोग अक्सर भ्रांतियों के कारण अंगदान से डरते हैं। लेकिन झज्जर के इस परिवार ने साबित कर दिया कि जागरूकता हो तो मौत भी जिंदगी बांट सकती है। पीजीआईएमएस में पिछले दो महीनों में यह पांचवां अंगदान होगा। हमारा लक्ष्य हरियाणा को अंगदान में देश में अग्रणीय पंक्ति में लाना है।

जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान

पीजीआईएमएस के नोडल अधिकारी डॉ. सुखबीर ने बताया कि भारत में हर साल 5 लाख लोगों की मौत अंग न मिलने से होती है। जबकि एक ब्रेन डेड व्यक्ति 8 से 9 जिंदगियां बचा सकता है। जरूरत सिर्फ जागरूकता की है।

समाज सेवी और धर्मगुरु देंगे श्रद्धांजलि

डॉ तरुण ने बताया कि इस मासूम को अंतिम विदाई देने के लिए कल दोपहर करीब 1 बजे ट्रॉमा सेंटर में शहर के समाजसेवी और धर्मगुरु उपस्थित होकर इस मासूम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

खबर संक्षेप

आदर्श स्कूल के छात्र प्रिंस का वायु सेना में चयन

महम। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना के छात्र प्रिंस ने एयर फोर्स की ऑल इंडिया स्तर की प्रतियोगी परीक्षा दी थी। जिसमें उसने 47वीं रैंक हासिल की है। प्रिंस ने एयर फोर्स में चयनित होकर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्कूल की प्रिंसिपल मंजू लता ने प्रिंस व उसके अभिभावकों को इसके लिए बधाई दी है।

बीच-बचाव करने पहुंचे युवक पर डंडों से हमला

सांपला। गांव पाक्समा में दो युवकों के बीच हो रहे झगड़े को छुड़ाने पहुंचे एक युवक पर ही हमला कर दिया गया। आरोप है कि आरोपी ने डंडे से हमला कर युवक को घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कूड़ा डालने को लेकर हुई थी मारपीट, 8 पर केस

लाखन माजरा। महम उपमंडल के गिरावड़ गांव में एक परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई। पीड़ित परिवार ने मारपीट की इस घटना की शिकायत लाखन माजरा थाने में दी तो पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़ित परिवार ने अदालत की शरण ली। महम के इलाका मैजिस्ट्रेट ने लाखन माजरा थाना पुलिस को 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने सभी 8 लोगों पर केस दर्ज कर लिया है।

पीजीआईएमएस का 5वां दीक्षांत समारोह, गवर्नर ने 950 विद्यार्थियों को डिग्री की प्रदान

चिकित्सा केवल पेशा नहीं, मानवता की सेवा का पवित्र दायित्व : प्रो. असीम घोष

68 मेधावियों को स्वर्ण पदक से किया सम्मानित, स्मारिका का विमोचन किया

डॉक्टर समाज में आशा, विश्वास और जीवन के प्रतीक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ।

रोहतक। दीक्षांत समारोह में डिग्री लेकर डॉक्टरों के साथ हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा के राज्यपाल एवं पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने युवा चिकित्सकों से करुणा, नैतिकता और सेवा-भाव को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च दायित्व है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर समाज में आशा, विश्वास और जीवन के प्रतीक होते हैं, इसलिए उन्हें संवेदनशीलता, विनम्रता और समर्पण भाव के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। राज्यपाल शनिवार को पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित 5वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। दीक्षांत समारोह में कुल 950 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की गई, जबकि 68 मेधावी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्मारिका का विमोचन भी किया। नवस्नातक विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक यात्रा की पूर्णता नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, सेवा और समर्पण से परिपूर्ण जीवन की नई शुरुआत है। राज्यपाल ने हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित भगवत दयाल शर्मा को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरित यह विश्वविद्यालय सेवा परमो धर्मः की भावना को सार्थक रूप से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि अनेक विद्यार्थी समाज सेवा के लिए आगे आएंगे, जबकि कुछ चिकित्सा अनुसंधान, नवाचार और स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

कुलपति ने कुलाधिपति को भेंट किया जेड प्लांट

रोहतक। विश्व जैव विविधता दिवस के अवसर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर के अपने संकल्प को और मजबूत करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष तथा राज्य की प्रथम महिला मित्रा घोष को जेड (क्रेप्सुला ओवाटा) प्लांट भेंट किया। एमडीयू कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार की ओर से जेड प्लांट भेंट करते हुए पर्यावरण संरक्षण और गो ग्रीन अभियान के प्रति विश्वविद्यालय की संकल्पबद्धता दोहराई। कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने जैव विविधता संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करने और पर्यावरण बचाने के अभियान को जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एमडीयू गो ग्रीन मिशन प्रभावी ढंग से समाज तक पहुँचना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर रजिस्ट्रार प्रो. संदीप बंसल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए. एस. मान, डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. राजेश पूनिया तथा निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी उपस्थित रहे। निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी ने कुलाधिपति को विश्वविद्यालय की विभिन्न पर्यावरणीय पहलों और हरित अभियानों की जानकारी दी।

राष्ट्र की प्रगति का रास्ता स्त्री शिक्षा से जुड़ा : प्रो.घोष

रोहतक। गुणवत्तापरक शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक संवेदीकरण एवं लैंगिक समता, पर्यावरणीय सरोकारों तथा सामाजिक समरसता के लिए शैक्षणिक संस्थानों को विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में कार्य करना होगा। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) इस परिप्रेक्ष्य में महती भूमिका निभा सकता है। हरियाणा के राज्यपाल तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने एमडीयू कुलपति प्रो. मिलाप पूनियाँ से विस्तृत विचार-विमर्श के दौरान यह परामर्श दिया। हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष ने भी इस चर्चा में सक्रिय भागीदारी की। राज्यपाल-कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति का रास्ता स्त्री शिक्षा तथा सशक्तिकरण से सीधी तौर पर जुड़ा हुआ है। ऐसे में विश्वविद्यालयों को अपने कार्यक्रमों तथा प्रगतिशील नीतियों के जरिए स्त्री सशक्तिकरण का संदेश बुलंद करना होगा।

स्वास्थ्य सेवा के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लें: कुलपति

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष को स्मृति चिन्ह देते कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धि का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज और स्वास्थ्य सेवा के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प भी है। उन्होंने चिकित्सा, दंत चिकित्सा, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, फार्मेसी एवं एलाइड हेल्थ साइंसेज सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में डिग्री प्राप्त करने वाले 950 विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 68 मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए जाने पर भी शुभकामनाएं दीं। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का मिशन है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज के गरीब एवं वंचित वर्गों के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकें स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही हैं। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2008 में 59 संबद्ध कॉलेजों से शुरू हुआ विश्वविद्यालय आज प्रदेशभर में 165 कॉलेजों से जुड़ चुका है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अब तक छह सफल अंगदान तथा पीजीआईएमएस में 38 सफल किडनी प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं, जिनकी सफलता दर 100 प्रतिशत रही है। शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष 5 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने आये हुए सभी मेहमानों का धन्यवाद किया।

गैर शिक्षक संघ ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम उनके सेक्रेटरी शंखा चटर्जी को एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर मौजूद विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप बंसल ने भी सेक्रेटरी के समक्ष मांगों का पूरा विवरण रखा। कर्मचारी संघ की मुख्य मांगों में विश्वविद्यालय में काफी समय से खाली पड़े पदों पर भर्ती न होना, सुप्रीम कोर्ट में जीते जा चुके 3200-3600 ग्रेड पे के केस को लागू करना और गवर्नर एसेंट के लिए लंबित पड़े कुछ सर्विस रूल्स से जुड़े मामलों पर आवश्यक कदम उठाना शामिल है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

अब ओवरलोड वाहनों का कटेगा चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की सड़कों पर ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियों के संचालन पर अब नगर निगम भी सख्ती बरतने जा रहा है। निर्माण सामग्री, ईंटें, बजरी और अन्य सामान बिना ढके ले जाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ निगम अधिकारियों ने कार्रवाई का निर्णय लिया है। निगम की ओर से सप्ताह में दो दिन विशेष अभियान चलाकर ऐसे वाहनों के चालान काटे जाएंगे जो नियमों का उल्लंघन करते पाए जाएंगे। दरअसल शहर में लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है कि कई ट्रैक्टर-ट्रालियां क्षमता से अधिक सामान भरकर सड़कों पर दौड़ रही हैं। इनमें लदी ईंटें, रोड़ी, मिट्टी व अन्य सामग्री रास्ते में गिरती रहती है। इससे न केवल सड़कें गंदी होती हैं, बल्कि राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

- सप्ताह में दो दिन चलाया जाएगा विशेष अभियान

58 लाख की ठगी मामले में दूसरा आरोपी पकड़ा

- ऑनलाइन ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का दिया लालच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ऑनलाइन ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का सपना दिखाकर एक वरिष्ठ नागरिक से 58 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी करने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए भरोसा जीता और फिर विदेशी ट्रेडिंग व भारी मुनाफे का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठ लिए। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश किया है और मामले की गहनता से जांच जारी है। । जांच में सामने आया कि फरवरी माह में जयपाल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें देश की वित्त मंत्री के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल करते हुए विदेशी बाजार में ट्रेडिंग कर भारी मुनाफा कमाने का दावा किया जा रहा था।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5X8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

पहरावर स्थित निगम गोशाला में गर्मी से बचाव के विशेष इंतजाम, साफ-सफाई और देखभाल पर खास जोर

2800 गोवंश की सेवा में दिन-रात जुटे 60 कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पहरावर स्थित नगर निगम की गोशाला में इन दिनों करीब 2800 गोवंश की देखभाल की जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में पशुओं की सेवा और व्यवस्था संभालने के लिए करीब 60 कर्मचारी दिन-रात जुटे हुए हैं। गोशाला में हर कर्मचारी की जिम्मेदारी तय की गई है, ताकि किसी भी पशु को परेशानी का सामना न करना पड़े। गर्मी के मौसम को देखते हुए गोशाला में शैड, पंखों और साफ-सफाई के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

सुबह 4 बजे से सेवा में लग जाते हैं कर्मचारी

गोशाला संचालक दलेल सिंह ने बताया कि यहां काम करने वाले सभी कर्मचारी सुबह चार बजे ही उठ जाते हैं और गोवंश की सेवा में लग जाते हैं। सबसे पहले पशुओं के लिए चारा तैयार किया जाता है, पानी की व्यवस्था देखी जाती है और गोशाला परिसर की सफाई शुरू होती है। इसके बाद अलग-अलग जिम्मेदारियों के अनुसार कर्मचारी अपना काम संभालते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ कर्मचारी पशुओं को गुड़ खिलाने का काम करते हैं, जबकि कई कर्मचारी चारा काटने और उसे अलग-अलग शैड तक पहुंचाने में लगे रहते हैं। वहीं कई लोग पशुओं को पानी पिलाने और उनकी स्थिति पर नजर रखने का काम संभालते हैं।

सफाई के लिए दस लोगों की टीम अलग से

गोशाला में साफ-सफाई पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाता है। इसके लिए करीब दस कर्मचारियों की अलग टीम बनाई गई है, जो लगातार गोबर उठाने और परिसर को साफ रखने का काम करती है। दिनभर में कई बार गोबर हटाया जाता है, ताकि गंदगी न फैले और पशुओं को संक्रमण या बीमारी का खतरा न हो।

बीमार पशुओं के लिए अलग से व्यवस्था

गोशाला में बीमार और कमजोर पशुओं के लिए अलग व्यवस्था भी की गई है। ऐसे पशुओं को विशेष निगरानी में रखा जाता है और जरूरत पड़ने पर पशु चिकित्सकों की सहायता ली जाती है। कर्मचारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी पशु की तबीयत खराब दिखाई देने पर तुरंत इसकी जानकारी प्रबंधन को दें।

दलेल सिंह

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 24 मई 2026

जीवन की दिशा बदल देगा
जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

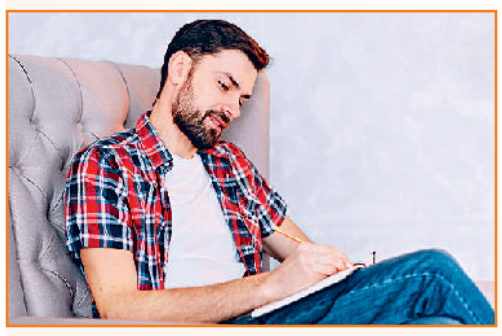

अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

{ जीवनशैली / लोकमित्र गौतम }

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मुनष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

{ दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहे अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।

इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

{ व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित }

सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), लेखक: कैलाश बनवासी,
मूल्य: 299 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर }

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

परंपरा-संस्कृति का मोहक आयोजन
तमिलनाडु का येरकौड उत्सव

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु अपनी संस्कृति, परंपरा और लोकपर्वों के लिए मशहूर है। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा हर वर्ष आयोजित होने वाला येरकौड उत्सव भी इन्हीं सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। यहां पर्यटक विभिन्न तरह के अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। इस उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक }

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के सलेम जिले में स्थित एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है-येरकौड। समुद्र तल से 1500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन, शेवरॉय पहाड़ियों पर बसा है, जहां कॉफी, मसालों, फूलों और फलों की शानदार और सघन खेती होती है। धुंध से ढंकी पहाड़ियों व झीलों के लिए मशहूर पर्वतीय नगर येरकौड सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और फल-फूलों की खेती के लिए ही नहीं जाना जाता बल्कि यह जनजातीय संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत और स्थानीय हस्तशिल्प का भी गढ़ है। ये सब खूबियां मिलकर इस क्षेत्र को सांस्कृतिक रूप से बेहद समृद्ध बनाती हैं। यहां की इन्हीं खूबियों को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए हर साल येरकौड उत्सव मनाया जाता है। आमतौर पर मई महीने के अंतिम सप्ताह में मनाया जाने वाला यह रंगीन-सांस्कृतिक उत्सव इस साल 22 मई से शुरू हो चुका है और 28 मई 2026 तक आयोजित होगा।

सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यमः इस उत्सव की शुरुआत तमिलनाडु पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने मुख्यतः दो उद्देश्यों से की थी। पहला येरकौड की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए तथा दूसरा, पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए। धीरे-धीरे यह आयोजन केवल पर्यटकों को लुभाने वाला उत्सव ही नहीं रहा बल्कि स्थानीय लोगों की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच बन गया। आज इस उत्सव से जुड़कर सैकड़ों कलाकारों, किसानों, जनजातीय समुदायों, हस्तशिल्पियों, लोकनर्तकों और संगीतकारों की भी न केवल पहचान बनी है बल्कि यह उनकी समृद्धि का जरिया भी बना है। सिर्फ येरकौड की स्थानीय संस्कृति ही नहीं, तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान को चमकदार बनाने में भी येरकौड उत्सव ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। येरकौड का सांस्कृतिक उत्सव शेवरॉय पहाड़ियों में रहने वाली जनजातियों की सांस्कृतिक आत्मा है।

लोकनृत्यों का भी होता है आयोजन

उनके लोकनृत्य, उनकी पारंपरिक वेशभूषा, उनका स्थानीय लोकसंगीत, रीति-रिवाज, इस उत्सव के न केवल आकर्षण हैं बल्कि उन्होंने तमिलनाडु और दुनिया के दूसरे हिस्सों को भी अपनी ओर आकर्षित किया है। यही कारण है कि दक्षिण भारत में बड़े पैमाने पर लोग इस मौके पर यहां आकर अपनी रोजमर्रा की भाग-दौड़ भरी जिंदगी के बीच आह्लादित करते सुकून के पल महसूस करते हैं।

परंपरा-आधुनिकता का संगमः उत्सव के दौरान यहां के स्थानीय कलाकार अपनी लोक-लुभावन वेशभूषाओं में जुलूस निकालते हैं तथा तमिल लोक-जीवन की शानदार झांकी प्रस्तुत करते हैं। यह उत्सव एक साथ न केवल यहां की सांस्कृतिक उत्सवधर्मिता को प्रस्तुत करता है बल्कि आधुनिक जीवनशैली और पारंपरिक लोक संस्कृति का एक लुभावना फ्यूजन भी प्रदर्शित करता है। इसलिए येरकौड उत्सव को स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण जरिया माना जाता है, क्योंकि यह नई पीढ़ी को जितनी उत्सुकता और रोमांच के साथ आकर्षित करता है, उतनी ही तीव्रता के साथ पुरानी पीढ़ी को भी इस उत्सव के साथ जोड़ता है।

मनमोहक उत्सव की अनोखी छटाः तमिल लोकसंगीत, नादस्वरम, करगट्टम और कवड़ी की पारंपरिक धुनों तथा स्थानीय नृत्य प्रस्तुतियों से यह उत्सव अलौकिक अनुभूति प्रदान करता है। शाम ढलते ही पूरा शहर लोकधुनों और अलग-अलग जगहों पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जीवंत हो उठता है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए सैलानी संतरे का स्वाद तथा फूलों की खुशबू का खूब लुत्फ उठाते हैं। लौटते वक्त विशेष रूप से यहां की मशहूर कॉफी और कालीमिर्च जैसे मसाले अपने साथ ले जाना नहीं भूलते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्णः येरकौड महोत्सव सिर्फ स्थानीय लोक संस्कृति का उत्सव भर नहीं है बल्कि जीवनशैली और जीवन यापन का भी संगीतमय उत्सव है। इस उत्सव में स्थानीय फलों और कृषि उत्पादों की विशेष झांकियां लगाई जाती हैं, जिससे आने वाले पर्यटकों को शुद्ध और विशिष्ट कृषि उत्पाद तो हासिल होते ही हैं, यहां के किसानों की अच्छी-खासी आय भी इस उत्सव के जरिए हो जाती है। यहां का हस्तशिल्प भी अपनी तरह की विशिष्टता के लिए जाना जाता है। विशेषकर यहां के बांस के उत्पादों को लोग खूब पसंद करते हैं। कुल मिलाकर यह प्रकृति, स्थानीय संस्कृति और सामुदायिक जीवन का साझा उत्सव है। इसमें फूलों की खुशबू के साथ लोकधुनें गूंजती हैं और पहाड़ों की ठंडी हवाओं के साथ परंपराओं की गर्माहट का आनंद भी मिलता है। *

फ्लावर शो-बोट रेसिंग का आकर्षण

येरकौड लोक उत्सव की दो और महत्वपूर्ण खासियतें हैं, जिसमें एक है फ्लावर शो और दूसरा है नौका दौड़। येरकौड उत्सव इन दोनों आयोजनों के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। फ्लावर शो के दौरान यहां पाए जाने वाले सैकड़ों किस्म के खुशबूदार और रंग-बिरंगे फूलों की कलात्मक सजावट पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस उत्सव के दौरान येरकौड झील में एक बोट रेस भी आयोजित की जाती है, जो इस उत्सव का एक विशेष आकर्षण होती है। दूर-दूर से आए पर्यटक उत्सव के दौरान नौकायन का भरपूर आनंद लेते हैं।

इस तपिश में पक्षियों को देगा राहत
थोड़ा सा दाना-थोड़ा सा पानी

इन दिनों की तपती गर्मी से हम सब इंसान ही नहीं नन्हे बेजुबान पक्षी भी बेहद बेचैन हैं। दिन के समय इनके लिए दाने-पानी को खोजना बहुत कठिन हो जाता है। इन पक्षियों की बेचैनी को कम करने के लिए हम सब उनके लिए थोड़े से दाने और पानी का इंतजाम कर उनको बड़ी राहत दे सकते हैं।

{ सरोकार / के. पी. सिंह }

तपती दोपहरी में जब धरती अंगारों की तरह दहकती है और आसमान से आग बरसती महसूस होती है, तब सबसे ज्यादा संकट, उन नन्हे परिंदों पर आता है, जिनकी चहचाहट हमारी सुबहों को जीवंत बनाती है। पानी की कुछ बूंदें और अनाज के कुछ दाने उनके लिए जीवनदायी बन सकते हैं। इसलिए अगर हम सब इन बेचैन करने वाली गर्मी के दिनों में अपने घर की छत, बालकनी या खिड़की के बाहर बने स्पेस पर एक कटोरा पानी का भरकर रख दें और उसी जगह एक मुट्ठी दाना डाल दें तो यह नन्हे परिंदों को जिंदगी की बहुत राहत देगा। यह छोटा-सा प्रयास उनके लिए सुरक्षित ठिकाना और जिंदगी का सहारा बन सकता है।

बढ़ते ताप से पक्षी होते बेहालः बीते कुछ दिनों से गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते हम इंसानों से भी ज्यादा शहरों की सड़कों से लेकर गांव के खुले आकाश तक पक्षियों के लिए भारी संकट पैदा हो गया है। देखने में आ रहा है कि पिछले कुछ सालों से गर्मी के दिनों में तापमान में लगातार हो रही वृद्धि, पक्षियों के प्राकृतिक जीवन चक्र को बाधित कर रहा है। पहले जहां 38 से 40 डिग्री का तापमान मई के आखिरी दिनों में हुआ करता था, वहीं अब यह अप्रैल के अंतिम सप्ताह से लेकर मई के पहले सप्ताह में होने लगा है। इन दिनों तो कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेंटीग्रेड को भी पार कर रहा है। जब गर्मी इतनी ज्यादा पड़ती है तो छोटे पक्षियों के लिए यह बहुत चुनौती बन जाती है। उनके लिए सुरक्षित आश्रय और दाना-पानी की जबर्दस्त किल्लत हो जाती है। पक्षियों का शरीर छोटा और बेहद संवेदनशील होता है, इससे वे तापमान में हल्के बदलाव से भी प्रभावित होते हैं। गर्मियों में जब जलस्रोत सूखने लगते हैं, तो उन्हें पानी की तलाश में दूर-दूर तक उड़ान भरनी पड़ती है। इस दौरान उनकी ऊर्जा तेजी से खत्म होती है और कई बार पानी की तलाश में ही वो हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाते हैं।

शहरी क्षेत्रों में बड़ी समस्याः शहरी क्षेत्रों में गर्मी की स्थिति और गंभीर है। कंक्रीट के जंगलों में न तो पेड़ों की छाया बची है और न ही प्राकृतिक जलस्रोत। यही कारण है कि कबूतर, गौरैया, कौआ, मैना जैसे पक्षी भी अब पानी के लिए तरसने लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में यह सामने आया है कि हर साल गर्मियों में उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक हजारों पक्षी सिर्फ प्यास और अत्यधिक गर्मी के कारण दम तोड़ देते हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण लगातार पेड़ कट रहे हैं। ये पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते बल्कि पक्षियों के लिए भोजन और आशियाना भी होते हैं। पुराने पेड़ जिनमें पक्षी पहले घोंसले बनाया करते थे, अब नहीं लगाए जा रहे हैं। सड़कों के किनारे अब इमारती लकड़ी वाले पेड़ लगाए जाते हैं, जिसका असर यह होता है कि सड़क किनारे पेड़ होने के बावजूद उसमें पक्षी अपना घोंसला नहीं बना पाते और न ही राहगीरों को उनसे कोई छाया मिलती है। यही कारण है कि शहरों में रहने वाली गौरैया और बुलबुल जैसी पक्षियों की हाल के सालों में काफी ज्यादा संख्या कम हुई है, क्योंकि पानी और आश्रय की कमी से इंसानों की तरह पक्षी भी लू का शिकार हो जाते हैं।

कर सकते हैं ये प्रयासः अत्यधिक गर्मी में नन्हे पक्षियों का शरीर, तापमान नियंत्रित नहीं कर पाता, जिससे वे गिरकर बेहोश हो जाते हैं। इसलिए अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हम सबको गर्मियों में अपने घरों, अपने आंगनों, खेतों, छतों और मुडेरों यानी जहां भी संभव हो, एक कटोरा पानी और एक मुट्ठी दाने का इंतजाम पक्षियों के लिए जरूर करना चाहिए। इससे इनकी जान भी बचाई जा सकती है और हमें इससे नन्हे पक्षियों की जान बचाने की खुशी भी भरपूर मिलेगी। इससे कई तरह के तनाव और लाइफस्टाइल समस्याओं से हम मुक्त रहेंगे। सरकार और पर्यावरण संगठन इस संबंध में हालांकि कई तरह के प्रयास कर रहे हैं। पक्षी बचाओ जैसे अभियान लोगों को जागरूक कर रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ सरकार और मुट्ठी भर गैर-सरकारी संगठनों के प्रयासों से नहीं होगा। जैसे ही गर्मियों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचता है, शहरी क्षेत्रों में 70 फीसदी जलस्रोत सूख जाते हैं। इसीलिए पिछले कई सालों से हर साल विशेषकर मई से लेकर जून तक देशभर में हजारों पक्षी हीट स्ट्रोक या लू से मरते पाए गए हैं। ऐसे में हम अगर अपने घर के आस-पास या कहीं भी मिट्टी के एक बर्तन में हर रोज थोड़ा पानी भरकर रख दें और उसी के आस-पास ज्वार, बाजरा और चावल जैसे कुछ दाने भी डाल दें, तो इस छोटे से प्रयास से हर साल हजारों पक्षियों की जान बचाई जा सकती है। *

गर्मी में देंगे ठंडा एहसास
ये देसी कोल्ड ड्रिंक

देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से राहत पाने के लिए अलग-अलग तरह के ड्रिंक्स पीने-पिलाने का चलन है। ये देसी कोल्ड-ड्रिंक्स, टेस्टी ही नहीं हेल्दी भी होते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

{ सीजनल डाइट
शिखर चंद जैन }

अकसर हेल्थ एक्सपर्ट्स कार्बोनेटेड कोल्ड ड्रिंक न पीने की हिदायत देते हैं। लेकिन चिंता न करें, गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए कई तरह के देसी ठंडे पेय आप पी सकते हैं, जो न केवल प्यास बुझाते हैं बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। दरअसल, बाजार में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक में अत्यधिक शुगर (चीनी), कैफीन और हानिकारक केमिकल होते हैं, जो वजन बढ़ाते हैं और डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। इनके ज्यादा सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके विपरीत, प्राकृतिक पोषक तत्वों से भरपूर देसी ड्रिंक्स शरीर को ताजगी देते हैं और इनका शरीर पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

लस्सी

लस्सीः गर्मी के दिनों में लस्सी तो हम सब के घरों में बनती ही रहती है। इसे बनाने में न कोई झंझट है ना ज्यादा समय ही लगता है। बस अच्छी क्वालिटी के दही में चीनी मिला लें। या फिर भुना-पिसा जीरा और काला नमक मिलाकर पी लीजिए। यह शरीर को तुरंत ठंडक प्रदान करता है।

जलजीराः जीरा, पुदीना, इमली और नीबू रस के मिश्रण से तैयार यह चटपटा पेय पाचन को सुधारता है और शरीर को ठंडा रखता है। आप चाहें तो अच्छी कंपनी का जलजीरा पावडर लाकर उसमें पुदीना, नीबू का रस मिलाकर पी सकते हैं।

आम पन्नाः इन दिनों मार्केट में कैरी (कच्चा आम) भरपूर मिल रही है। कैरी को भून कर मसल लीजिए और छान कर उस पानी में हल्की-सी चीनी, जीरा और काला नमक मिला लीजिए। यह पेय लू से बचाने में रामबाण माना जाता है।

आम पन्ना

ठंडाईः दूध, सूखे मेवे और केसर से भरपूर यह ड्रिंक विशेषकर होली के समय और गर्मियों में ताजगी के लिए पी जाती है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पौष्टिक भी होता है।

बेल का शरबतः पके हुए बेल के गूदे से बना यह शरबत एक बेहतरीन ठंडा पेय है और पाचन में सहायक होता है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश में इसका खूब सेवन किया जाता है।

सत्तू शरबतः भुने हुए चने के आटे (सत्तू), नीबू, पानी और नमक से बना यह पेय पौष्टिक होने के साथ-साथ पेट को ठंडा और शरीर को ऊर्जावान रखता है। यह मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रचलित है।

सत्तू शरबत

गोंधोराज घोलः यह पश्चिम बंगाल की खास छाछ है, जिसमें सुगंधित 'गोंधोराज' नामक विशेष तरह के नीबू के रस का उपयोग किया जाता है।

नीरू मज्जिगा (नीर मोर): यह पेय मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिया जाता है। यह एक ठंडी छाछ है, जिसे मसाले, करी पत्ते और अदरक मिलाकर तैयार किया जाता है।

जिगरठंडाः दूध, गोंद कतीरा और नन्नारी सिरप से बना यह पेय शरीर की गर्मी को कम करने के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। खासतौर से यह तमिलनाडु के मदुरै और उसके आस-पास के इलाकों में अधिक प्रचलित है।

पनाकमः तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गुड़, सोंठ और इलायची से बना यह पारंपरिक पेय, त्योहारों पर विशेष रूप से बनाया जाता है और गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए उत्तम माना जाता है।

रागी अंबालीः कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्रचलित यह पेय पोषण से भरपूर और शरीर को शीतलता देने वाला होता है। यह रागी (एक प्रकार का मोटा अनाज) से बना होता है। *

रागी अंबाली

'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' और 'नच बलिए 4' जैसे रियलिटी शोज को जज कर चुकीं करिश्मा कपूर 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में भी बतौर जज नजर आएंगी। डांसिंग जज के रूप में वह कैसा महसूस करती हैं? इस शो के पांचवें सीजन में इस बार क्या खास है? भविष्य में एक्टिंग को लेकर उनकी क्या प्लानिंग है? ऐसे ही कई सवालों के जवाब दिए करिश्मा कपूर ने इस बातचीत में।

इंडियाज बेस्ट डांसर की जज बनकर मुझे बहुत मजा आ रहा हैः करिश्मा कपूर

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अपने दौर की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार करिश्मा कपूर ने शादी के बाद कुछ समय के लिए अभिनय से संन्यास ले लिया था और वह पूरी तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई थीं। लेकिन आज हालात अलग हैं, उनके बच्चे बड़े हो चुके हैं। एक बार फिर वे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हो गई हैं। जल्द ही करिश्मा, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने वाले डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इस शो और करियर से जुड़े सवाल करिश्मा कपूर से।

आप एक बार फिर 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में बतौर जज आएंगी। इस बार इस शो में आपको किस बात ने आकर्षित किया?

इस बार इस सीजन का थीम 'इंडिया वाला डांस' है। जिसका मतलब है इंडिविजुएलिटी और सेल्फ एक्सप्रेशन, यह अपनी यूनिक शैली को अपनाने, खुद पर कॉन्फिडेंस रखने और एकदम अलग दिखने से ना डरने के बारे में है। कहने का मतलब यह है कि जब प्रतियोगी सच में अपनी कला के जरिए अपनी पहचान से जुड़ते हैं, तभी उनकी परफॉर्मेंस यादगार साबित होती है। 'इंडिया वाला डांस' की इसी सोच से इंप्रेस होकर मैं एक बार फिर इस शो से जुड़ी।

बॉलीवुड के कई सुपरहिट गानों का आप हिस्सा रही हैं। 'दिल तो पागल है' में माधुरी दीक्षित के साथ आईकॉनिक डांस, गोविंदा के साथ कई डांस नंबर्स, आज भी दर्शकों के जेहन में जिंदा हैं। ऐसे में जब इस शो में आपके डांस वाले गानों पर पार्टिसिपेंट्स परफॉर्म करते हैं तो उस समय आपका क्या रिएक्शन होता है?

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में को-जजेज के साथ करिश्मा कपूर

(मुस्कुराते हुए) पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं। बहुत खुशी होती है जब अपने डांस नंबर पर किसी को ठुमके लगाते हुए देखती हूं। मेरी फिल्मी जर्नी में डांस का अहम हिस्सा रहा है। 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में मेरे गाने पर किया गया हर परफॉर्मेंस मुझे उन पलों की याद दिलाता है। जब पार्टिसिपेंट्स को मैं पूरी शिद्दत के साथ अपने गानों पर डांस करते हुए देखती हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है। उनका हार्ड वर्क और डेडिकेशन इंस्पायरिंग लगता है।

आप फिल्मी बैकग्राउंड से हैं, जहां कहानी कहने में डांस ने अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में जजिंग पैनल में आपको डांस का कौन-सा साइड अनोखा लगता है, जिसमें आप प्रतियोगी को जज करती हैं?

मेरी पूरी लाइफ फिल्मों में बीती है। 16 साल की उम्र से मैंने एक्टिंग शुरू कर दी थी। इस दौरान मैंने हमेशा डांस को एक पॉवरफुल आस्पेक्ट के रूप में देखा है। डांस न सिर्फ फीलिंग्स को एक्सप्रेस करता है बल्कि यह कहानी कहने की भी ताकत रखता है। यह शो सिर्फ डांसिंग स्टेप्स के बारे में नहीं है, बल्कि इमोशन एक्सप्रेशन और दर्शकों से जुड़ने के बारे में भी है। मैं यही नजरिया बतौर जज लाना चाहती हूं। मैं ऐसी परफॉर्मेंस देखना चाहती हूं, जो टेक्निकली सही हो, इमोशन से भरपूर और सहज हो। ऐसी परफॉर्मेंस जो दर्शकों के दिलों पर गहरा असर छोड़े।

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में आपके साथ गीता कपूर, जावेद जाफरी और टेरेंस लुईस भी बतौर जज आ रहे हैं। उनके साथ आपका तालमेल कैसा है?

बहुत ही अच्छा है। शो की जजिंग के अलावा भी हम आपस में मजाक मस्ती करते रहते हैं। गीता जहां मस्तीखोर है, वहीं जावेद जाफरी का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है। इन सभी जजेज के साथ शो का हिस्सा बनने का अनुभव मजेदार है।

'इंडियाज बेस्ट डांसर' देश भर के उभरते कलाकारों के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म बन चुका है। ऐसे में जो डांसर इस शो में भाग लेना चाहते हैं, ऐसे कंटेस्टेंट्स को आप क्या मैसेज देना चाहेंगी?

उनसे मैं यही कहना चाहूंगी कि अपने ऊपर विश्वास रखें, खुद के प्रति सच्चे रहें, कुछ ना कुछ नया सीखने की कोशिश करें, चुनौतियों का सामना करें, कभी निराश ना हों और ना ही हार मानें। एक दिन आपकी मेहनत जरूर रंग लाएगी। आपका टैलेंट आपको सब में अलग और अच्छा दिखाएगा। ऐसे लोगों का इस शो में स्वागत है। ये मंच ऐसे ही लोगों के लिए बना है, जहां आकर वह अपना डांसिंग टैलेंट पेश कर सकते हैं।

क्या आपके बच्चों को भी डांस और एक्टिंग में इंटरेस्ट है?

इस बारे में अभी तो मैं कुछ कह नहीं सकती, क्योंकि मेरे दोनों ही बच्चे फिलहाल पढ़ाई कर रहे हैं। भविष्य में वे कौन-सा करियर चुनते हैं, यह अभी से कहना मुश्किल है। *

मैं फिल्मों में भी काम करने के लिए तैयार हूं बशर्ते...

टीवी शोज के अलावा फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग को लेकर क्या प्लानिंग है, इस बारे में पूछने पर करिश्मा बताती हैं, 'फिल्म हो, ओटीटी हो या टीवी, मुझे हर जगह काम करने में कोई प्रॉब्लम नहीं है। बस मैं जो भी काम करूं वह अच्छा होना चाहिए। जैसे मैंने कुछ सालों पहले 'मेंटल हुड' और 'मर्डर मुबारक' वेब सीरीज की थी। फिलहाल मैं अभिनव देव के निर्देशन में 'ब्राउन' सीरीज कर रही हूं। फिल्मों में भी काम करने के लिए मैं तैयार हूं बशर्ते उसमें मेरा रोल मीनिंगफुल और दमदार होना चाहिए।'